

# DR. BIMAL HASMUKH PATEL

Dr. Bimal Hasmukh Patel is an architect, urban planner and academician. He is the President of CEPT University, Ahmedabad, and Chairman of the Board of Governors of the School of Planning and Architecture, Bhopal. He heads HCP Design, Planning and Management, an architecture and urban planning practice, based in Ahmedabad. In a career spanning over 30 years, he has crisscrossed disciplinary and professional boundaries in his search for ways in which architecture, urban design and urban planning can be used to improve and enrich the lives of people living in India's cities.

2. Dr. Patel was born in 1961, grew up in Ahmedabad and studied at the St. Xavier's High School there. He graduated from the School of Architecture, Ahmedabad, in 1984, and went on to study, at the University of California Berkeley, from where he received a dual Masters degree in Architecture and City Planning and a PhD in City and Regional Planning in 1995.

3. Dr. Patel joined the architectural practice founded by his father, architect Hasmukh C. Patel, in 1984. Under his leadership, the practice has grown to become a highly reputed multidisciplinary organization that tackles complex design and planning challenges. Dr. Patel's designs for the Entrepreneurship Development Institute and the Indian Institute of Management's New Campus in Ahmedabad, amongst many others, have greatly enriched contemporary Indian architecture. His urban projects like the pioneering Sabarmati Riverfront Development Project, have demonstrated that, despite severe constraints, it is possible for local governments to transform Indian cities in a better way.

4. In 1996, Dr. Patel founded Environmental Planning Collaborative, a not-for-profit urban planning consultancy, research and advocacy organization. Its innovative work for various local governments and development authorities quickly transformed planning in Gujarat. Ahmedabad's 2002 development plan played a major role in liberalizing statutory urban planning and making it effective; town planning schemes for Bhuj, enabled the earthquake devastated town to be speedily 'built-back-better', and; the plan for Ahmedabad's central business district introduced a new way of guiding in-city redevelopment. EPC's research has led to important reforms in urban planning and Dr. Patel's advocacy has promoted wider use of the highly effective Town Planning Scheme mechanism nationwide.

5. From June 2012 onward, Dr. Patel has headed CEPT University as its President. There, he has led a comprehensive re-imagination and modernization of this fifty-year-old institution's pedagogy, research focus, institutional framework, governance and infrastructure. The successful transformation of the university is widely recognized and is already being emulated by other institutions. Dr. Patel is the author of several papers and research articles. His research focuses on architecture and urban planning history, land use planning, real estate markets, building regulations and land management.

6. Dr. Patel has won numerous awards and his work has been recognized internationally. The awards and honours include the Aga Khan Award for Architecture, 1992, World Architecture Award, 1997, UNCHS, Best Practices Award, 1998, the Prime Minister's National Award for Excellence in Urban Planning and Design, 2003, and the University of California, Berkeley, Distinguished Alumnus Award, 2008.

पद्म श्री

# डॉ. बिमल हसमुख पटेल



डॉ. बिमल हसमुख पटेल एक वास्तुकार, नगरीय योजनाकार और शिक्षाविद् हैं। आप सीईपीटी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के अध्यक्ष तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्कीटेक्चर, भोपाल के शासी मंडल के चेयरमैन हैं। आप अहमदाबाद में स्थित एचसीपी डिजाइन, योजना और प्रबंधन, जोकि एक वास्तुशिल्प तथा योजना पद्धति है, का नेतृत्व करते हैं1 30 वर्ष से भी अधिक के कॅरिअर विस्तार में आपने, अपने उन विधाओं की खोज में, शिक्षण एवं पेशागत सीमाओं को लांघा, जिससे वास्तुशिल्प, नगरीय डिजाइन और नगरीय योजना का भारत के शहरों में रह रहे लोगों के जीवन स्तर को सुधारने और समृद्ध बनाने में इस्तेमाल किया जा सकता है।

2. आपका जन्म वर्ष 1961 में हुआ था। आप अहमदाबाद में पले-बढ़े और वहां सेंट जोवियर हाईस्कूल में अध्ययन किया। आपने वर्ष 1984 में स्कूल ऑफ आर्कीटेक्चर, अहमदाबाद से स्नातक की पढ़ाई पूरी की और आगे की पढ़ाई के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया, बर्कले चले गए, जहां से आपने वर्ष 1995 में वास्तुशिल्प तथा नगरीय योजना में दोहरी परास्नातक उपाधियां हासिल की और सिटी एंड रीजनल प्लानिंग में पीएचडी की भी उपाधि प्राप्त की।

3. आपने वर्ष 1984 में अपने पिता, वास्तुकार हॅसमुख सी पटेल द्वारा स्थापित वास्तुशिल्पीय पद्धति में कार्य करना आरंभ किया। आपके नेतृत्व में इस पद्धति ने तरक्की करते हुए एक बहुत ही नामचीन बहु-शिक्षण संगठन का रूप ले लिया, जो जटिल डिजाइन और योजना की चुनौतियों का समाधान खोजता है। अहमदाबाद में उद्यमिता विकास संस्थान तथा भारतीय प्रबंध संस्थान के नए कैम्पस की आपकी डिजाइनें उन अन्य डिजाइनों में से हैं, जिन्होंने समसामयिक भारतीय वास्तुशिल्प को शानदार तरीके से समृद्ध किया है। आपकी पथप्रदर्शक साबरमती रीवरफ्रंट डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट जैसी शहरी परियोजनाएं, यह दर्शाती हैं कि गंभीर अड़चनों के बावजूद, स्थानीय सरकारों के लिए भारतीय शहरों को बेहतर तरीके से रूपांतरित करना संभव है।

4. आपने वर्ष 1996 में एनवायरमेंटल प्लानिंग कोलैबोरेटिव नाम से एक गैर-लाभकारी नगरीय आयोजना, परामर्श, अनुसंधान एवं समर्थनकारी संगठन की स्थापना की। विभिन्न स्थानीय सरकारों तथा विकास प्राधिकरणों के लिए किए गए इस संगठन के अभिनवकारी कार्यों ने गुजरात में आयोजना को बहुत शीघ्र रूपांतरित कर दिया। अहमदाबाद की 2002 की विकास आयोजना ने वैधानिक नगरीय आयोजना को उदार बनाने तथा इसे प्रभावी बनाने में बड़ी भूमिका अदा की; भुज के लिए नगर आयोजना स्कीमों ने भूकंप से ध्वस्त हुए इस नगर को तेज गति से 'बिल्ट-बैक-बेटर' बनाने में अहम भूमिका अदा की तथा; अहमदाबाद के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट की आयोजना ने इन-सिटी रीडेवलेपमेंट में मार्गदर्शन करने की एक नई विधा की शुरूआत की। ईपीसी के अनुसंधान ने शहरी आयोजना में महत्वपूर्ण सुधारों की अगुवाई की है तथा आपके समर्थनकारी दृष्टिकोण ने राष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक प्रभावी नगरीय आयोजना तंत्र के व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित किया है।

5. जून, 2012 से और इसके बाद, आपने अध्यक्ष के रूप में सीईपीटी विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया। वहां पर आपने इस पचास वर्ष पुराने संस्थान के शिक्षण, अनुसंधान फोकस, संस्थागत ढांचा, शासन एवं बुनियादी सुविधाओं के व्यापक पुनर्कल्पन और आधुनिकीकरण संबंधी कार्यों की अगुवाई की। इस विश्वविद्यालय के सफल कायाकल्प को व्यापक स्तर पर मान्यता प्रदान की जाती है तथा इसका अन्य संस्थानों द्वारा अनुकरण किया जा रहा है। आपने अनेक पत्रों और शोधपरक विषयों का लेखन किया है। आपका शोध वास्तुशिल्प तथा नगरीय आयोजना इतिहास, भूमि उपयोग की आयोजना, रियल एस्टेट बाजारों, भवन विनियमों और भूमि प्रबंधन पर केन्द्रित रहता है।

6. आपको अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं तथा आपके कार्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। आपको मिले सम्मान और पुरस्कारों में वास्तुकला के लिए आगा खान पुरस्कार, 1992; विश्व वास्तुशिल्प पुरस्कार 1997; यू एन सी एच एस, सर्वोत्तम पद्धतियां पुरस्कार 1998; नगरीय आयोजना एवं अभिकल्पना में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार, 2003 तथा कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले का प्रतिष्ठित स्नातक पुरस्कार, 2008 शामिल हैं।